राज्य स्तरीय स्वतंत्र क्वालिटी मॉनीटर्स (मनरेगा) द्वारा निरीक्षणों का सारांश

प्रदेश में क्वालिटी मॉनीटर्स द्वारा भ्रमण के पश्चात् प्रस्तुत किये गये निरीक्षण प्रतिवेदनों का मुख्य सारांश :–

1. निर्माण स्थलों पर सूचना पटल नहीं लगाये जाना।
2. निर्माण कार्यों के प्राक्कलन बनाये जाने से पूर्व सर्वेक्षण नहीं किया जाना।
3. ग्राम पंचायतों के अभिलेख अद्यतन नहीं होना।
4. निर्माण कार्यों के मूल्यांकन में विलम्ब होना।
5. श्रमिकों को मजदूरी भुगतान में विलम्ब होना।
6. निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद उनका एक्जिट प्रोटोकाल नहीं कराया जाना।
7. कपिलधारा कूप के व्यास में एकरूपता न होना तथा रिचार्जपिट नहीं बनाना।
8. कपिलधारा उपयोजना अंतर्गत कूप निर्माण से लघु एवं सीमांत किसानों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि होना।
9. भूमिशिल्प एवं शैलपर्ण उपयोजनाओं के कार्यों से भू–जल स्तर में वृद्धि होना।